



न्यूज़ ब्रीफ

पुजारा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम ग्यारह में रोहित सहित छह भारतीय शामिल किये, कई दिग्गजों को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज ने अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह घोषित की है। इसमें पुजारा ने जहां अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली को शीर्ष क्रम में रखा है। पुजारा ने अपनी इस टीम में उन छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह दी है। वहीं श्रेयस अय्यर और इंग्लैंड के हैरी ब्रूक सहित कई दिग्गजों को अपनी टीम में शामिल नहीं किया है। इसके अलावा दुनिया के नंबर-1 एकदिवसीय गेंदबाज अफगानिस्तान के राशिद खान और न्यूजीलैंड के अनुभवी मिचेल सैंटनर जैसे स्पिनरों को भी अपनी टीम में जगह नहीं दी है। जिसपर प्रशंसकों ने हैरानी जतायी है। पुजारा की इस टीम में पारी की शुरुआत की जिम्मेदारीशुभमन गिल और अनुभवी रोहित शर्मा को मिली है। वहीं, तीसरे क्रम पर विराट कोहली उतरेंगे। ये तीनों बल्लेबाज भारतीय एकदिवसीय टीम में इसी क्रम पर खेलते हैं। श ने इस साल अब तक 895 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 604 और विराट कोहली ने भी 552 रन बनाए हैं। चौथे नंबर पर पुजारा ने इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को रखा है, जिन्होंने इस साल एकदिवसीय में 85 के बेहतरीन औसत से 680 रन बनाए हैं। मध्य क्रम में उन्होंने केएल राहुल और वेस्टइंडीज के सीमित ओवरों के कप्तान शाई होप को रखा है। राहुल को मध्य ओवरों में आकर पारी को संभालने में महारत हासिल है जबकि आलराउंडर की जिम्मेदारी दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन संभालेंगे। गेंदबाजी की कमान मुख्य स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव के पास रहेगी। कुलदीप अपनी फिरकी से किसी भी टीम को मुश्किल में डाल सकते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण बुमराह के साथ न्यूजीलैंड के मेट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स संभालेंगे। यह टीम संतुलन और मौजूदा फार्म का एक अनूठा मिश्रण पेश करती है, जिसमें पुजारा ने कुछ अपरंपरागत लेकिन साहसिक चुनाव किए हैं।

करियर की शुरुआत में ही गंभीर बिमारी के कारण भयभीत थे ख्वाजा

सिड्नी। आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा है कि उनके जीवन में एक ऐसा भी दौर आया था जब वह बेहद डरे हुए थे और लग रहा था कि अब वह नहीं बचेंगे। ख्वाजा के अनुसार अपने कैरियर के शुरुआती दिनों में उन्हें एक ऐसी गंभीर बिमारी का सामना करना पड़ा था, जिसने उन्हें लगा था कि अब उनका कैरियर शुरू होने से पहले ही समाप्त हो जाएगा। इसी साल जनवरी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की लेने वाले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि वह जोड़ों की गंभीर बीमारी अर्थराइटिस के पीड़ित थे। तब उनकी उम्र केवल 22 साल की थी और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान अर्थराइटिस होने से उनके बाएं घुटने में तेज दर्द होने लगा था जिससे वह अंदर ही अंदर हिल गये थे। ख्वाजा के अनुसार, यह दर्द और बीमारी इतनी भीषण थी कि उन्हें लगा जैसे उनका शरीर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है और वे अब कभी मैदान पर वापसी नहीं कर पाएंगे। उन पलों को याद करते हुए ख्वाजा ने कहा, मुझे लगा था कि मैं मरने वाला हूं। युवावस्था में ही जीवन की दौड़ से बाहर हो जाने का यह बेवजह डर उन्हें सताने लगा था कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा।

तीन बार के एशियन पैरा गेम्स चैंपियन नीरज की मौत: कोच बोले- उसने अपने प्लेट में आत्महत्या की, कारण स्पष्ट नहीं



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के रहने वाले और तीन बार एशियन पैरा गेम्स में भाला फेंक के चैंपियन रहे नीरज यादव का निधन हो गया। राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच एस. सत्यनारायण ने न्यूज एजेंसी आईएनएनएस से इसकी पुष्टि की। नीरज भारत के प्रमुख पैरा एथलीटों में शामिल थे और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। मुख्य कोच ने की निधन की पुष्टि कोच सत्यनारायण के मुताबिक, नीरज ने अपने प्लेट में आत्महत्या की। हालांकि, इस कदम के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा, हा, नीरज ने अपने प्लेट में आत्महत्या की है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुःखद है। उनके इस कदम के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है।2018 में एशियाई रिकार्ड के साथ जीता था स्वर्ण नीरज ने 2015 में दिल्ली राज्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोला फेंक, भाला फेंक और चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीते थे। इसी प्रदर्शन के बाद उन्होंने भारतीय पैरा एथलेटिक्स में पहचान बनानी शुरू की। 2018 में इंडोनेशिया में आयोजित एशियाई पैरा गेम्स में नीरज ने पुरुषों की एफ55 भाला फेंक स्पर्धा में 29.84 मीटर के एशियाई रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

बुमराह और ऋषभ न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट से कर सकते हैं वापसी

बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अगले माह 7 नवंबर से लॉकन में यहां होने वाले दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इस मैच से इन दोनों ही खिलाड़ियों के पास दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लय हासिल करने का अवसर रहेगा।

ये दोनों ही खिलाड़ी अभी बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपनी फिटनेस और लय हासिल करने में लगे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह फिट होने के बाद भी इसलिए सीओई आये हैं क्योंकि ये किसी भी खिलाड़ी की टीम में वापसी से पहले प्रक्रिय का एक हिस्सा है।

बुमराह ने इस महीने की शुरुआत में जापान में हुए एशियाई खेलों में शानदार गेंदाजी कर टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, उस उपलब्धि के बाद से उन्होंने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की सीरीज के साथ-साथ न्यूजीलैंड दौरे पर जारी टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय

मुकाबलों से भी आराम दिया गया था, ताकि वह आगामी महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए तरोताजा रहें।

दूसरी ओर ऋषभ अक्टूबर की शुरुआत में ही इरानी कप के दौरान शेष भारत टीम की कप्तानी करते हुए चोटिल हो गये थे। इसी कारण वह दिल्ली के रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल सके थे, और उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो चार दिवसीय मैचों से भी बाहर रहना पड़ा था।

रिपोर्ट बताती है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने सीओई में हल्का अभ्यास फिर से शुरू कर दिया है, जिसमें बल्लेबाजी की महत्वपूर्ण ड्रिल भी शामिल हैं, जो उनकी वापसी के लिए एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, उन्होंने अभी तक विकेटकीपिंग का

अभ्यास शुरू नहीं किया है, जिससे पता चलता है कि उनकी फिटनेस को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।

अभी उनकी गैरमौजूदगी में, झारखंड के होनहार विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाय को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मिली है। बुमराह और ऋषभ दोनों को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की महत्वपूर्ण सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगी। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ यह अनौपचारिक टेस्ट इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों को मुख्य सीरीज से पहले मैच फिटनेस और लय हासिल करने का अंतिम अवसर प्रदान करेगा।

जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को खारिज किया, लास एंजिल्स ओलंपिक तक खेलेंगे



चंडीगढ़

भारतीय पुरुष हाकी टीम के अनुभवी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने अपने संन्यास की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनका लक्ष्य है लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक में टीम को जीत दिलाना है। जरमनप्रीत ने स्पष्ट किया है कि उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह आगे भी खेलते रहेंगे।

भारत ने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर बेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जिससे टीम में नए खिलाड़ियों को मौका देने की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में कहा जा रहा है कि जरमनप्रीत को शायद ही टीम में जगह मिले।

जरमनप्रीत ने हालांकि इन खबरों को खारिज करते हुए कहा, मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लास एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं। उन्होंने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने को बड़ी उपलब्धि बताया।

जरमनप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए शानदार अवसर है और हम लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए

पूरी तह से तैयार हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद हम ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी शुरू करेंगे। मैं चाहता हूं कि टीम वहां अच्छा प्रदर्शन करे और स्वर्ण पदक जीते।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी संन्यास की अटकलों को महज अफवाह करार दिया है। अपने अब तक के करियर में 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके जरमनप्रीत, टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के एक प्रमुख सदस्य थे।

वह हाल ही में संपन्न हुए एशियाई खेल 2022 (जो 2023 में आयोजित हुए) में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मैं अपने रक्षात्मक कोशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम की जीत में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपने खेल में लगातार सुधार करने की कोशिश करता रहूंगा।

जरमनप्रीत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब टीम एकजुटता और भविष्य की योजनाओं को लेकर स्पष्टता चाहती है, और अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका पर बहस छिड़ी हुई है।

टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने किसकी जीत पर जताई खुशी बोले - छात्रों ने सर्बिया को गर्व करने की वजह दी

बेलग्रेड

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सर्बिया में छात्र आंदोलन की चुनावी जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने आंदोलन से जुड़े छात्रों की तारीफ करते हुए कहा कि उनके संघर्ष ने सर्बिया के लोगों के साथ-साथ विदेशों में रहने वालों को भी अपने देश पर गर्व करने का मौका दिया है। 24 नवंबर को खिताब जीत चुके जोकोविच पहले भी छात्र आंदोलन के समर्थन में आवाज उठा चुके हैं। उनकी ताजा प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच की सत्तारूढ़ पार्टी को संसदीय चुनाव में बड़ा झटका लगा है। छात्रों के संघर्ष को जोकोविच का सलाम

जोकोविच ने स्विट्जरलैंड के बासेल में स्विस् इंडोर्स टूर्नामेंट के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनावी नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने करीब दो साल तक सरकार को चुनौती देने वाले युवाओं के साहस, धैर्य और दृढ़ता की सराहना की। जोकोविच ने कहा, मैं इससे बहुत खुश हूं। उन छात्रों के प्रति मेरा गहरा सम्मान है, जिन्होंने संघर्ष किया और गरिमा व दृढ़ता का परिचय दिया। उन्होंने जो किया है, उसके लिए मेरे मन में बहुत प्रशंसा है।



अलावा समाज के दूसरे वर्गों के लोगों का भी समर्थन जुड़ता गया। विरोध प्रदर्शनों के दौरान डराने-धमकाने और हिंसा के आरोप भी सामने आए, लेकिन छात्रों ने राजनीतिक बदलाव की मांग जारी रखी।

चुनाव में कैसे मिली सत्तारूढ़ पार्टी को चुनौती

मई 2025 में बने स्टूडेंट लिस्ट नाम के राजनीतिक समूह ने इस आंदोलन को संसदीय चुनाव तक पहुंचाया। किसी एक पारंपरिक राजनीतिक नेता पर निर्भर रहने के बजाय इस समूह ने अलग-अलग पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को एकजुट कर सत्तारूढ़ सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी को चुनौती दी। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, वुचिच की पार्टी एक दशक से अधिक समय से देश की राजनीति में प्रभावशाली रही है। ऐसे में चुनावी हार को सत्तारूढ़ राजनीतिक व्यवस्था के लिए बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की शुरुआती



रिपोर्टों के अनुसार, छात्र समर्थित स्टूडेंट लिस्ट ने 250 सीटों वाली संसद में बहुमत हासिल किया। वुचिच ने रिविवा को हार स्वीकार कर ली।

जीत के बाद अब क्या होगी चुनौती

चुनावी जीत से आंदोलन के समर्थकों में नई उम्मीद जगी है, लेकिन इस जनादेश को प्रभावी सरकार में बदलना अगली बड़ी चुनौती होगी। जोकोविच की प्रतिक्रिया भी इसी उम्मीद को दर्शाती है। उन्होंने सिर्फ चुनावी नतीजे की सराहना नहीं की, बल्कि लंबे समय तक दबाव और अनिश्चितता के बीच संघर्ष करने वाले छात्रों के व्यवहार और दृढ़ता को भी सम्मान दिया। सर्बिया के इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने पहले भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है। उनकी ताजा टिप्पणी से स्पष्ट है कि उन्हें उम्मीद है कि यह जीत उनके देश को अधिक समृद्ध और बेहतर भविष्य की ओर ले जाएगी।



चोट के कारण कनाडा महिला ओपन से हटीं अनाहत सिंह

नई दिल्ली। भारतीय स्वर्ण खिलाड़ी अनाहत सिंह चोट के कारण कनाडा महिला ओपन 2026 से हट गई हैं। उन्हें टोरंटो में होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस की फेरुज अब्देलखेर से भिड़ना था। अनाहत के हटने से अब्देलखेर को बिना खेले सेमीफाइनल में जगह मिल गई है। अनाहत बीवीय अनाहत ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में ब्रिटेन की सारन न्चिएम को 11-6, 4-11, 11-5, 11-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। कनाडा महिला ओपन 1,03,750 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाला पीएसए स्लिवर स्तर का टूर्नामेंट है। इसका आयोजन टोरंटो के ब्रुकफील्ड प्लेस में किया जा रहा है।

गुजरात का अहमदाबाद शहर वर्ष 2029 में अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) की विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। यह पहला अवसर होगा, जब भारोत्तोलन की इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन भारत में किया जाएगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे देश के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

एलएनसीटी में भोपाल नोडल को जूडो में दोहरा खिताब



भोपाल। एलएनसीटी भोपाल में आरजीपीवी राज्य स्तरीय जूडो महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता 2026-27 आयोजित हुई। इसमें भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर और सागर नोडल केंद्रों के 50 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

भोपाल नोडल ने महिला और पुरुष दोनों

वर्गों में प्रथम स्थान हासिल कर दोहरा खिताब जीता।

महिला वर्ग में भोपाल ने तीन स्वर्ण और तीन रजत पदकों के साथ पहला, जबकि जबलपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में भोपाल ने तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर शीर्ष स्थान

हासिल किया। उज्जैन दूसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह में एलएनसीटी ग्रुप के स्पोर्ट्स डायरेक्टर पंकज कुमार जैन सहित अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए। खेल अधिकारियों और रेफरियों को भी सम्मानित किया गया।

विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2029 की मेजबानी करेगा अहमदाबाद, भारत में पहली बार होगा आयोजन

नई दिल्ली

गुजरात का अहमदाबाद शहर वर्ष 2029 में अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) की विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। यह पहला अवसर होगा, जब भारोत्तोलन की इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन भारत में किया जाएगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे देश के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।



अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने 25 अक्टूबर को चीन के निंगबो में हुई अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को मेजबान घोषित किया। इस आयोजन से

अहमदाबाद को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी करनी है। ऐसे में 2029 की विश्व चैंपियनशिप भारत को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और खेल प्रशंसकों की मेजबानी का एक और अवसर प्रदान करेगी। साथ ही, भारतीय दर्शकों को दुनिया के शीर्ष भारोत्तोलकों को अपने देश में प्रतिस्पर्धा करते देखने का मौका मिलेगा।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप का अहमदाबाद आना भारतीय खेलों के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आयोजन से देश में भारोत्तोलन को लोकप्रिय बनाने और नई पीढ़ी को खेल से जोड़ने में मदद मिलेगी।

उषा ने ओलंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन मीराबाई चानू का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय भारोत्तोलन ने देश को कई उल्लेखनीय खिलाड़ी दिए हैं। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों ने देशभर में युवाओं को प्रेरित

किया है। उनके मुताबिक, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलकों का भारत में प्रतिस्पर्धा करते देखने से युवाओं को इस खेल में आगे बढ़ने और उच्चतम स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखने की प्रेरणा मिल सकती है।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी मिलना भारतीय भारोत्तोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने बताया कि भारत अब तक विश्व चैंपियनशिप में 18 पदक जीत चुका है, जिनमें तीन विश्व खिताब शामिल हैं।

यादव के अनुसार, 2029 का आयोजन इस विकास को आगे बढ़ाने, देश में भारोत्तोलन को मजबूत करने और भारतीय खिलाड़ियों को घरेलू दर्शकों के सामने विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव देने का अवसर होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन समुदाय का भारत में स्वागत करने की उम्मीद भी जताई।